

पॉलूस

पॉलूस, अफ्रीका में पैदा हुआ एक युवक, 17वीं शताब्दी के दौरान नीदरलैंड में नासाउ ला लेक परिवार में एक नौकर के रूप में काम करता था। हालाँकि नीदरलैंड में गुलामी को कानूनी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था, लेकिन डच अभिजात वर्ग ने एक काले नौकर को एक स्टेटस सिंबल के रूप में देखते थे।

हेग में, पॉलूस ने शादी की और एक परिवार शुरू किया। वह अंततः स्टैडहोल्डर विलियम III के गार्ड में एक टिंपेनिस्ट (ढोलकिया) के रूप में शामिल हो गए। उन्हें अब 'मूर' के रूप में संबोधित नहीं किया जाता था - कॉलोनियल काल में अभिजात परिवारों द्वारा उनके काले नौकरों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द - बल्कि महाशय पॉल मौरिस एगुलार्ड के रूप में।

फिर भी, कला के कार्यों में, युवा अफ्रीकी नौकरों और वृद्ध पुरुषों दोनों को, जो टिंपेनिस्ट के रूप में काम करते थे, गर्दन में एक कॉलर के साथ चित्रित किया गया है। कॉलर का तात्पर्य यूरोपीय प्रभुत्व और अफ्रीकी अधीनता के विचार के आधार पर एक पदानुक्रमित संदर्भ है।

इस गले के बेंड को मूल रूप से कुत्ते के कॉलर के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन शायद यह एक इंसान द्वारा पहना जाता था।

नासाउ कोट ऑफ आर्म्स के साथ कॉलर, 1689।

एक अफ्रीकी आदमी की आवक्ष प्रतिमा का विवरण

जॉन नोस्ट द एल्डर, 1701।

एक गुड़िया के घर को बनते समय, धनी महिलाएं एक डच परिवार के आदर्श संस्करण का प्रदर्शन कर रही थीं जिसमें एक काला नौकर भी शामिल था।

द डॉल्स हाउस ऑफ़ पेट्रोनेला ओर्टमैन, जैकब एपेल । (1680-1751), c. 1710

मॉरीट्स के चित्र पर अफ्रीकी नौकर का विवरण, काउंट ऑफ नासाउ-ला लेक, अनाम, c. 1670, डच सांस्कृतिक विरासत एजेंसी।

कैवेलरी रेजिमेंट का नेतृत्व करते हुए एक घुड़सवार टिंपेनिस्ट, जो उसके गले में कॉलर पहने हुए है, कॉर्नेलिस ट्रॉस्ट, 1742।